

05.12.20

कुलार्थ न्यायिक उपास्थित/PU माह 31 अक्टूबर
पे. 04.00. है। पत्रावली 2 वकील
करी लकी दिनांक 21.11.2025
क पत्र के 21/11

31.1.2021

वकील करी उपास्थित/ पुन. 2 ममन पेरा होने
पर जलिये रजि. 44. के पत्रावली की लकी की
जाकर पत्रावली शर्तिका लकी 7.4.2025 को पेरा हो

7.4.2022

कुलार्थ न्यायिक उपास्थित/PU माह 31 अक्टूबर
पे. 04.00. है। पत्रावली 2 वकील
करी लकी दिनांक 11.11.2025
क पत्र के 11/11

11.6.2023

कुलार्थ न्यायिक उपास्थित/PU माह 31 अक्टूबर
पे. 04.00. है। पत्रावली 2 वकील
करी लकी दिनांक 7.10.2024
क पत्र के 7/10

7.10.2024

कुलार्थ न्यायिक उपास्थित/PU माह 31 अक्टूबर
पे. 04.00. है। पत्रावली 2 वकील
करी लकी दिनांक 15.10.2025
क पत्र के 15/10

13.10.2025

कुलार्थ न्यायिक उपास्थित/PU माह 31 अक्टूबर
पे. 04.00. है। पत्रावली 2 वकील
करी लकी दिनांक 12.12.2028
क पत्र के 12/12

16.12.2026

कुलार्थ न्यायिक उपास्थित/PU माह 31 अक्टूबर
पे. 04.00. है। पत्रावली 2 वकील
करी लकी दिनांक 12.2.2028
क पत्र के 12/2

18.12.2028

वकील करी लकी के पत्रावली - पत्र मित्राल पेरा पेरा को
पर पत्रावली को पेरा में निराकरण वकील की तैयारी
निरा कि वाद-पत्र में नहीं म उक्ति की अ राजी नाम हो
गया अतिरिक्त वाद पत्र आगे नहीं चलाना चाहते हैं
मौजूदा सिविल में जारी करवाना चाहते हैं। क.
वाद पत्र मौजूदा सिविल में जारी दिवा जाता हो
पत्रावली नमूने के काम की जाकर नोटरीक
नकलील जाकर दाखिल दफतर हो।

गोपी

सहायक न्यायिक उपास्थित
उपास्थित अधिकारी
उपास्थित